INFORMATION AND COMMUNICATION CELL

Post Graduate Institute of Veterinary Education and Research (PGIVER)

(A Centre of Excellence for Higher Veterinary Education)

(Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences)

N.H.-11, Agra Road, Jamdoli Campus, Jaipur – 302031

Ph.: 0141-2681211 E-mail: pgiverjaipur@gmail.com

No.: 27/2019 Date: 15.10.2019

वी.सी.आई., नई दिल्ली के तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल द्वारा पी.जी.आई.वी.ई.आर.,जयपुर का निरीक्षण

जयपुर, 15 अक्टूबर। भारतीय पशुचिकित्सा परिषद् (वी.सी.आई.), नई दिल्ली के तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने 13–15 अक्टूबर, 2019 तक स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.), जयपुर में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस प्रतिनिधि मण्डल में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, मउ के प्रो. एम. के. मेहता, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, पंतनगर के प्रो. संजय शर्मा तथा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, मथुरा की प्रो. रश्मि सिंह शामिल थे। इस निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधि मण्डल ने प्रो. जी.सी. गहलोत अधिष्ठाता, पी.जी.आई.वी.ई.आर., प्रो. संजीता शर्मा, नोडल अधिकारी (वी.सी. आई. निरीक्षण), प्रो. राकेश राव, संकाय अध्यक्ष एवं प्रो. आर. के धूड़िया, कुलपति विशेषाधिकारी के साथ विभिन्न विभागों, पशुधन फार्म संकुल, पशुचिकित्सा क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स, पुस्तकालय, व्याख्यान कक्षों, छात्रावासों, कैन्टिन आदि का भ्रमण कर उपलब्ध स्टॉफ, उपकरणों एवं सुविधाओं का आकलन किया। भ्रमण के दौरान उन्होनें संस्थान के मानसरोवर परिसर स्थित केन्द्रीय उपकरण सुविधा तथा पशु आहार सयंत्र का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधि मण्डल ने विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों के साथ अलग–अलग बैठक कर संस्थान के विभिन्न पहलुओं के बारे में उनसे विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उनके विचारों से अवगत हुए। प्रो. संजीता शर्मा ने उन्हें पावर पाईन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से संस्थान तथा विश्वविद्यालय की स्थापना, क्रियाकलापों, प्रगति एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने इस संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं तथा संस्थान द्वारा की गई अभूतपूर्व प्रगति की सराहना की तथा इस हेतु उन्होंने विश्वविद्यालय के मार्ग दर्शन, सहयोग एवं महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों तथा सहायक कर्मियों की मेहनत और लगन को श्रेय दिया तथा संस्थान के स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

Sd/-

अधिष्ठाता